भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3686

जिसका उत्तर 11 दिसम्बर, 2019 को दिया जाना है।

20 अग्रहायण, 1941 (शक)

व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म की हैकिंग

3686. श्री अनुमुला रेवंत रेड्डी :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप को भारतीय कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और वकीलों की जासूसी करने के लिए हैक किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस मुद्दे पर उक्त मंच से सरकार को प्राप्त उत्तर/टिप्पणियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने एनएसओ समूह को पत्र लिखकर उपरोक्त मुद्दे पर जवाब मांगा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा की गई जांच के परिणाम क्या है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री संजय धोत्रे)

(क): सरकार को व्हट्सएप द्वारा पेगासस नामक स्पाइवेयर के जरिए कुछ व्हट्सएप मोबाइल प्रयोक्ताओं के उपकरणों को प्रभावित करने वाली सुभेदता के बारे में सूचित किया गया था। व्हट्सएप के अनुसार इस स्पाइवेयर का विकास इज़राइल स्थित कंपनी एनएसओ ग्रुप द्वारा किया गया है तथा इसने पेगासस स्पाइवेयर के इस्तेमाल के जरिए विश्वभर के लगभग 1400 प्रयोक्ताओं के मोबाइल फोन तक पहुंचने का प्रयास किया है, जिसमें 121 प्रयोक्ता भारत के शामिल हैं। व्हट्सएप पर भारतीय नागरिकों की निजता के उल्लंघन के संबंध में मीडिया में आई रिपोर्टों के आधार पर कुछ बयान सामने आए हैं। इस कथित उल्लंघन के लिए भारत सरकार की छवि खराब करने के प्रयास पूर्णतया भ्रामक है। सरकार नागरिकों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें गोपनीयता का अधिकार शामिल है। सरकार कानून के प्रावधानों और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कठोर कार्रवाई करती है। यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षोपाय हैं कि किसी भी निर्दोष नागरिक का उत्पीड़न न हो, न ही किसी की निजता भंग हो।

(ख) से(घ) : 20 मई, 2019 को व्हट्सएप ने सर्ट-इन को एक घटना की रिपोर्ट की, जिसमें बताया गया कि व्हट्सएप ने एक कमजोरी का पता लगाया है जिससे कोई हमलावर मोबाइल उपकरणों में कोड डाल कर इसे कार्यान्वित कर सकता है तथा यह कि इस कमजोरी को तुरंत दूर कर दिया गया और इसका इस्तेमाल अब हमला करने के लिए नहीं किया जा सकता है। तथापि, सर्ट-इन ने पहले ही दिनांक 17 मई, 2019 को सुभेदता नोट प्रकाशित किया है, जिसमें व्हट्सएप में उपर्युक्त सुभेदताओं के संबंध में प्रयोक्ताओं को प्रतिउपायों के बारे में सलाह दी गई है।

5 सितम्बर, 2019 को व्हट्सएप ने सर्ट-इन को मई, 2019 में रिपोर्ट की गई सुरक्षा संबंधी घटना के बारे में यह अद्यतन जानकारी भेजी कि जबकि इस हमले के पूर्ण प्रभाव को कभी भी नहीं जाना जा सकता है, फिर भी व्हट्सएप ने उपलब्ध सूचना की समीक्षा करनी जारी रखी है। इसमें यह भी कहा गया है कि व्हट्सएप का विश्वास है कि हो सकता है कि भारत में लगभग एक सौ इक्कीस प्रयोक्ताओं के उपकरणों तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया हो। स्पाईवेयर पेगासस द्वारा व्हट्सएप के जरिए भारतीय नागरिकों के मोबाइल उपकरणों की स्नूपिंग पर सार्वजनिक और मीडिया खबरों और उपलब्ध सूचना पर आधारित सर्ट-इन ने व्हट्सएप और एनएसओ समूह से प्रंसागिक विवरण और सूचना तथा जानकारी प्रस्तुत करने की मांग की है।

******